भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 298
दिनांक 15.09.2020

असम में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान

298. श्री प्रदान बरूवा:

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या असम के गोगोमुख में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) की स्थापना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मई 2017 में आधारशिला रखी गई थी;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उद्देश्य क्या है;

(ग) इस संबंध में कार्य की प्रगति का ब्यौरा क्या है; और

(घ) वर्तमान कोविड-19 महामारी को देखते हुए इस संस्थान की अपने कार्यों और कक्षाओं को शुरू करने की संभावित समय-सीमा/शैक्षणिक वर्ष क्या है?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण मंत्री
(श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) जी, हां।

(ख) से (घ): भाकृअप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, असम की स्थापना हेतु आधारशिला दिनांक 26 मई, 2017 को माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा रखी गई। कुल 587 एकड़ भूमि में से 45 एकड़ क्षेत्र को शैक्षणिक-सह-आवासीय कैम्पस के रूप में विकसित किया है, जिसकी स्थिति निम्नानुसार है:

(i) 45 एकड़ भूमि क्षेत्र की चार दीवारी और पूर्वनिर्मित भवन का सिविल कार्य पूरा हो गया है।

(ii) शैक्षणिक-सह-प्रशासनिक भवन, सड़कों और साइट विकास का निर्माण कार्य फरवरी, 2020 में शुरू किया गया है।

.....2/-

(iii) गेस्ट हाउस कार्य को अनुमोदित किया गया है।

(iv) वैज्ञानिकों के उनसठ पदों को पुनर्नियोजित किया गया है और चार वैज्ञानिकों को तैनात कर दिया गया है।

(v) शैक्षणिक वर्ष 2015-16 से आईएआरआई-असम के विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष एम.एससी डिग्री के लिए आईएआरआई, नई दिल्ली में दाखिल किया जा रहा है। अब तक, कुल 55 एम.एससी विद्यार्थियों को दाखिल किया गया है जिनमें से 28 विद्यार्थियों को एम.एससी की डिग्री प्रदान की गई है और 23 विद्यार्थी रोल पर हैं। सामान्य रूप से उत्तर पूर्वी क्षेत्र तथा विशेषत: असम से संबंधित प्रक्षेत्र अनुसंधान कार्य, विद्यार्थियों द्वारा उसी क्षेत्र में ही किया जा रहा है।

(vi) शैक्षणिक सत्र 2020-21 को आईएआरआई, गोगोमुख में ही शुरू करने के सभी संभव प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान महामारी ने कार्य की प्रगति को बड़े स्तर पर प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है और गोगोमुख में विद्यार्थियों का स्थानान्तरण आगे आने वाले महीनों में महामारी की स्थिति पर निर्भर होगा।

****